आईआईएम स्कॉलर 120 गांवों में सिखाएंगे जीने का हुनर

रांची | मुकेश बालयोगी

झारखंड के 120 गांवों में आईआईटी और आईआईएम समेत 24 प्रमुख संस्थानों के विद्यार्थी और शिक्षक जीने का हुनर सिखाएंगे। कोरोना काल में लौटे प्रवासी मजदूरों के कौशल का उपयोग कर ये स्कॉलर इन गांवों में विशिष्ट आर्थिक मॉडल खड़ा करेंगे। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उन्नत भारत अभियान के तहत इसकी योजना बनेगी।

अभियान के राष्ट्रीय समन्वय संस्थान आईआईटी दिल्ली की ओर से झारखंड के स्टेट नोडल ऑफिसर को इसका निर्देश दिया गया है। उन्नत भारत अभियान से जुड़े झारखंड के 24 संस्थानों में से प्रत्येक ने पांच गांव गोद लिए हैं। इन गांवों में कोरोना काल में पैदा संकट के समाधान के लिए नई परिस्थिति में स्थायी रोजगार और दीर्घकालिक विकास के लिए ढांचा तैयार करना है। इसमें सर्वेक्षण और प्रशिक्षण से लेकर खास कौशल और खास पेशों वालों के समूह भी तैयार करने हैं। जिसे आगे चलकर आर्थिक आय के लोकल मॉडल के रूप में बदला जा सके। इन गांवों में स्थानीय संसाधनों पर रोजगार पैदा करने और विकास की प्रक्रिया निर्धारित करने की प्राथमिकता देनी है। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू कराना भी है।

चुने गए गांवों की होगी रिसोर्स मैपिंग

उन्नत भारत अभियान के तहत कोरोना काल में अपने गांव लौटे प्रवासियों के कौशल का बेहतर उपयोग होगा। उनकी कुशलता वाले रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नेटवर्क तैयार करने की भी योजना है। मान लिया जाए कि किसी गांव में राज मिस्त्री बड़ी संख्या में हैं तो उनका फेडरेशन बनाकर सरकारी प्राइवेट निर्माण के ठेकों में प्राथमिकता दिलाने की कोशिश की जा सकती है। उन्नत भारत अभियान से जुड़े शिक्षक और विद्यार्थी पहले पूरी तरह से उसी गांव की रिसोर्स मैपिंग करेंगे।

रांची के प्रमुख संस्थानों के जिम्मे हैं ये गांव

आईआईएम रांची : हपथबेड़ा, जराटोली, जिदू, लेपसार, रासाबेड़ा
बीआईटी मेसरा : हेसल, जमुआबाड़ी, मासू, सालहन, तुरूप
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय : पंडरा, एकंभा, नगड़ी, हुजीर, राढ़ा
एनआईएफटी हटिया : डुंगरी, गढ़खटंगा, सेंबो, सीठियो, टोंको

ये भी संस्थान भागीदार

आईआईटी-आईएसएम धनबाद, एनआईटी जमशेदपुर, बीआईटी सिंदरी, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज चाईबासा, बीआईटी एक्सटेंशन देवघर, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक भागा, जेवियर पॉलिटेक्निक रांची, निलय एजुकेशनल ग्रुप रांची, यूनिवर्सिटी पॉलीटेक्निक रांची, झारखंड राय यूनिवर्सिटी रांची, आरटीसी रांची, चास कॉलेज बोकारो, जुबली कॉलेज भुरकुंडा, एसएसपीएस कॉलेज गोड्डा, अल इकरा कॉलेज गोविंदपुर, टेक्नो इंडिया दुमका, टेक्नो इंडिया सिल्ली, बीएसके कॉलेज साहिबगंज, पाकुड़ पॉलिटेक्निक, इक्फाई रांची।

> कोरोना काल में लौटे प्रवासियों के साथ मिलकर राज्य के चुने हुए गांवों में रोजगार और विकास का मॉडल खड़ा करने के लिए उन्नत भारत अभियान की ओर से कहा गया है। डिटेल गाइडलाइन आने के बाद विद्यार्थियों के साथ हर तरह के रिसोर्स की मैपिंग कर कार्ययोजना बनाई जाएगी।
>
> **-डॉ. रंजीत प्रसाद,** स्टेट नोडल ऑफिसर यूबीए, एनआईटी जमशेदपुर

तैयारी

- कोराना काल में लौटे प्रवासी मजदूरों के साथ खड़ा करेंगे इकोनॉमिक मॉडल
- केंद्र के उन्नत भारत अभियान से जुड़े 24 संस्थान करेंगे तैयारी
- स्थायी रोजगार और दीर्घकालिक विकास के लिए तैयार किया जाएगा ढांचा

24 संस्थानों में से प्रत्येक ने पांच गांव गोद लिये हैं उन्नत भारत अभियान के तहत

Hindustan, 11.08.2020, Pg. 02